

# सहभागिता को समझना: एक व्यापक मार्गदर्शिका

प्रभु भोज की जड़ों, प्रथाओं और गहन अर्थ की खोज

## कार्यसूची

यह प्रस्तुति आपको निम्नलिखित प्रमुख विषयों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करेगी:

- सहभागिता को परिभाषित करना
- पासओवर: कहानी और महत्व
- यीशु का अंतिम भोज: कथा और निहितार्थ
- फसह और पवित्र भोज के बीच संबंध
- मंदिर में बलि देने की प्रथा का संक्षिप्त अन्वेषण

टिप्पणी: इस कार्यक्रम का उद्देश्य चरण दर चरण समझ विकसित करना है, यह दर्शाते हुए कि पुराने नियम के अनुष्ठान किस प्रकार नए नियम की प्रथाओं की ओर इशारा करते हैं और उनमें पूर्ण होते हैं।

## परिचय

भजन संहिता 105:3-4 (□□□□)

“उसके पवित्र नाम की महिमा करो; प्रभु की खोज करने वालों का हृदय आनंदित हो। प्रभु और उसकी शक्ति की खोज करो; निरंतर उसके मुख की तलाश करो।”

“निरंतर” पर ज़ोर: अनुयायियों के रूप में, ईश्वर की हमारी खोज बपतिस्मा के साथ समाप्त नहीं होती। यह वचन ईश्वर की उपस्थिति और शक्ति की खोज के लिए जीवन भर चलने वाली यात्रा को प्रोत्साहित करता है, न कि एक बार की घटना को।

## कम्युनियन क्या है?

कम्युनियन—जिसे प्रभु भोज, रोटी तोड़ना, प्रेम भोज या यूखारिस्ट के नाम से भी जाना जाता है—यीशु के बलिदान की याद में मनाया जाने वाला एक पवित्र ईसाई अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में रोटी (जो उनके शरीर का प्रतीक है) और शराब (जो उनके रक्त का प्रतीक है) शामिल हैं। हालाँकि पवित्र शास्त्र में इसे रात्रि भोज या शाम के भोजन के रूप में वर्णित किया गया है, लेकिन इसे दैनिक या केवल शाम के समय ही करने का निर्देश नहीं दिया गया है; प्रारंभिक ईसाई परंपरा में इन भोजों का उपयोग संगति और स्मरण के लिए किया जाता था।

टिप्पणी: □□□□□; भोजन□□□□□; शब्द का तात्पर्य शाम के भोजन से है, लेकिन यह कोई कठोर नियम नहीं है कि रोटी केवल शाम को या प्रतिदिन ही तोड़ी जाए। प्रारंभिक मसीही लोग अक्सर, विशेषकर शाम को, एकत्रित होकर एक उदाहरण प्रस्तुत करते थे (देखें इब्रानियों 10:25), एक ऐसा अभ्यास जिसका हम संगति और आध्यात्मिक प्रोत्साहन के लिए अनुकरण कर सकते हैं।

## प्रमुख शब्द और उनकी ग्रीक उत्पत्ति

अवधि	ग्रीक शब्द(शब्दों)	परिभाषा/अर्थ	संदर्भ
आज की ताजा रोटी	□□□□□□ (क्लासिस) / □□□□□□ (आर्टोस)	तोड़ना: एक विखंडन। आर्टोस: पानी में मिलाए गए आटे से बना और पकाया गया भोजन; इसका उपयोग सामान्य भोजन और धार्मिक प्रयोजनों दोनों के लिए किया जाता है।	प्रेरितों के काम 2:42, 2:46, 20:7; लूका 22:19
प्रभु भोज	□□□□□□□□ (कुरियाकोस) / □□□□□□□□ (डिपनोन)	कुरियाकोस: प्रभु का। डिपनोन: औपचारिक रात्रिभोज, आमतौर पर रात में, जो राज्य में मुक्ति का प्रतीक है।	1 कुरिन्थियों 11:20, 11:23-25; मत्ती 26:26-28; मरकुस 14:22-24; लूका 22:19-20
प्रेम भोज	□□□□□□ (अगापे) / □□□□□□□□□□ (□□□□□□□□□□)	अगापे: भाईचारा, परोपकार; सुनेउओचेओ: उदारतापूर्वक एक साथ भोज करना।	जूडा 1:12; 2 पतरस 2:13
ऐक्य	□□□□□□□□□□ (□□□□□□□□□□)	सहभागिता, घनिष्ठ संबंध, साझा भागीदारी और अंतरंग समुदाय।	1 कुरिन्थियों 10:16-17; प्रेरितों के काम 2:42

## फसह और पवित्र भोज

### फसह (पेसाच) से पहले: शुद्धिकरण की आवश्यकता

यह खंड पुराने नियम में फसह की तैयारियों - विशेष रूप से खमीर (पाप का प्रतीक) को हटाने - और नए नियम में अंतिम भोज से पहले की आध्यात्मिक शुद्धि के बीच समानताएं बताता है।

- पुराने नियम (निसान 13 और उससे पहले): खमीर हटाना (निर्गमन 12:15,19; व्यवस्थाविवरण 16:4)। खमीर द्वेष, दुष्टता, झूठी शिक्षा और पाखंड का प्रतीक है (मत्ती 16:6,12; लूका 12:1; 1 कुरिन्थियों 5:6-13)।
  - टिप्पणी: निसान यहूदी वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। जिस प्रकार खमीर आटे में घुल जाता है, उसी प्रकार पाप भी फैलता है—पौलुस द्वारा 1 कुरिन्थियों 5 में दी गई सूची एक चेतावनी है। यीशु इस बात पर जोर देते हैं कि शुद्धिकरण उनके वचन और उनमें बने रहने से होता है, जो फसह और अंतिम भोज दोनों अनुष्ठानों का आधार है।
- नए नियम (अंतिम भोज से पहले): यीशु अपने शिष्यों के पैर धोते हैं (यूहन्ना 13:1-20, विशेष रूप से 13:10); वे अपने विश्वासघात की भविष्यवाणी भी करते हैं (मत्ती 26:21-25; मरकुस 14:18-21; लूका 22:21-23; यूहन्ना 13:21-30)। वचन के माध्यम से और मसीह में बने रहने से आध्यात्मिक पवित्रता पर जोर दिया गया है (यूहन्ना 15:1-10)।
- पत्नी की व्याख्या: 1 कुरिन्थियों 5:6-13 - तुम्हारा घमंड अच्छा नहीं है। क्या तुम नहीं जानते कि थोड़ा सा खमीर पूरे आटे को खमीर कर देता है? पुराने खमीर को निकाल दो, ताकि तुम नए आटे की तरह हो जाओ, जैसे तुम वास्तव में बिना खमीर के हो। क्योंकि मसीह, हमारा फसह भी बलिदान हो चुका है। इसलिए आओ, हम यह पर्व पुराने खमीर से नहीं, न ही द्वेष और दुष्टता के खमीर से, बल्कि सच्चाई और ईमानदारी की बिना खमीर वाली रोटी से मनाएँ। मैंने तुम्हें अपने पत्र में लिखा था कि व्यभिचारी लोगों के साथ संगति न करो; मेरा मतलब इस संसार के व्यभिचारी लोगों से, या लालची और धोखेबाजों से, या मूर्तिपूजकों से बिलकुल नहीं था, क्योंकि तब तो तुम्हें संसार छोड़ना पड़ेगा। लेकिन वास्तव में, मैंने आपको लिखा था कि किसी भी तथाकथित भाई से मेलजोल न रखें यदि वह व्यभिचारी, लालची, मूर्तिपूजक, गाली-गलौज करने वाला, शराबी या धोखेबाज हो—ऐसे व्यक्ति के साथ भोजन भी न करें। क्योंकि परदेसियों का न्याय करना मेरा काम नहीं है? क्या आप कलीसिया के भीतर वालों का न्याय नहीं करते? परन्तु जो बाहर हैं, उनका न्याय परमेश्वर करता है। दुष्ट व्यक्ति को अपने बीच से निकाल दो।

### सुसमाचारों में खमीर का प्रतीकात्मक महत्व

खमीर का प्रयोग झूठी शिक्षा या पाखंड के रूपक के रूप में किया जाता है।

- झूठा शिक्षक (□□□□□□□□□□□□□□ - □□□□□□□□□□□□□□□□): एक शिक्षक जिसकी प्रेरणा मसीह से नहीं है (गलातियों 5:6-11)।
  - टिप्पणी: पौलुस यीशु की चेतावनी को दोहराता है: उन लोगों से सावधान रहो जो समझाने के लिए दैवीय अधिकार के बजाय मानवीय अधिकार का उपयोग करते हैं।

- पाखंडी (□□□□□□□□□□ - □□□□□□□□□□): एक अभिनेता या ढोंगी, वह व्यक्ति जो ईश्वर के आदेशों पर मानवीय परंपराओं को कायम रखता है (मत्ती 15:1-9)।
  - टिप्पणी: फरीसियों को मानव निर्मित शिक्षाओं को प्राथमिकता देने के लिए फटकारा गया है, जो □□□□□□; खमीर□□□□□□; का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
- परिभाषा (मेरियम-वेबस्टर): खमीर एक किण्वनकारी पदार्थ है जो आटे को फुलाता है। ग्रीक शब्द □□□□□□; फुलना□□□□□□; (जिसका अर्थ है गर्व) खमीर की क्रिया को दर्शाता है।

### केस स्टडी: मत्ती 13:33—सकारात्मक या नकारात्मक खमीर?

मत्ती 13:33 (“स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है...” की व्याख्या चर्च के विद्वानों ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से की है। हालाँकि, पौलुस लगातार खमीर को भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करता है (उदाहरण के लिए, गलातियों 5:9; 1 कुरिन्थियों 5:6)। सच्चा विश्वास मसीह, प्रेरितों और भविष्यवक्ताओं की नींव पर टिका है (इफिसियों 2:19-22; 1 कुरिन्थियों 3:9-11; मत्ती 7:24-27; 1 पतरस 2:5-8)।

दुभाषिया	व्याख्या सारांश
□□□□□□ अगस्टीन जॉन मैकआर्थर प्रेरित पौलुस	खमीर के रूप में मसीह के सिद्धांत का प्रसार खमीर, चर्च के माध्यम से फैलते हुए ईश्वर के प्रेम का प्रतीक है। खमीर को बुराई के रूप में देखना—चर्च में छिपी झूठी शिक्षा “थोड़ा सा खमीर पूरे आटे को खमीर कर देता है” (हमेशा नकारात्मक)

टिप्पणी: प्रारंभिक चर्च के कई टीकाकारों ने खमीर को सकारात्मक रूप में देखा, लेकिन पौलुस की चेतावनियाँ हमें इसे भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में देखने के लिए प्रेरित करती हैं। हमारा विश्वास मसीह और प्रेरितों की शिक्षाओं पर आधारित होना चाहिए, न कि बाद की व्याख्याओं या परंपराओं पर।

### 1 कुरिन्थियों 5 में खमीर: दूर करने योग्य पाप

पॉल खमीर का उपयोग भ्रष्ट करने वाले पापों के लिए एक रूपक के रूप में करते हैं जिन्हें विश्वास समुदाय से दूर किया जाना चाहिए।

पाप प्रकार	ग्रीक शब्द	अर्थ	संदर्भ
यौन अनैतिक लोभी/लालची	□□□□□□ (□□□□□□) □□□□□□□□□□ (□□□□□□□□□□)	व्यभिचारी, पुरुष वेश्या और अधिक पाने की लालसा, विशेषकर दूसरों की चीज़ों की।	1 कुरिन्थियों 6:15-20 लूका 12:15
मूर्ति पूजक	□□□□□□□□□□□□ (□□□□□□□□□□□□)	झूठे देवताओं का उपासक	1 कुरिन्थियों 10:12-22; कुलुस्सियों 3:5
निंदा करने वाला	□□□□□□□□ (□□□□□□□□)	मौखिक दुर्व्यवहार करने वाला	याकूब 3:10; भजन संहिता 101:5-7
शराबी ठग	□□□□□□□□ (□□□□□□□□) □□□□□□ (□□□□□□)	आदतन नशे में जबरन वसूली करने वाला, लुटेरा	कुलुस्सियों 3:5 लूका 19:8-9

टिप्पणी: ये पाप गंभीर हैं। पौलुस इन्हें कलीसिया से दूर करने का आदेश देता है। आधुनिक मूर्तिपूजा में शौक या लोगों को ईश्वर से ऊपर रखना शामिल हो सकता है। आज के मीडिया और राजनीति में निंदा करने वाले और धोखेबाज़ भरे पड़े हैं। संसार से जुड़े, लेकिन उसके मूल्यों का अनुकरण न करें (1 कुरिन्थियों 5)।

### खमीरयुक्त/खमीररहित व्यक्तिगत परिणामों के अच्छे उदाहरण क्या हैं?

शाऊल (खमीर वाला: अभिमानी अंत) और दाऊद (खमीर रहित: पश्चातापी हृदय) की तुलना समय के साथ विश्वासयोग्यता के उदाहरण के रूप में की गई है। टिप्पणी: दोनों ने पवित्र आत्मा को प्राप्त किया और विनम्रता से शुरुआत की। शाऊल अभिमानी और अवज्ञाकारी हो गया;

दाऊद ने शीघ्र पश्चाताप किया। दाऊद से प्रेरणा लें—□□□□□; परमेश्वर के हृदय के अनुरूप मनुष्य।□□□□□; सभोपदेशक 7:8 में शाऊल के अधीर, अभिमानी पाप (अनाधिकृत बलिदान) का वर्णन है।

वर्ग	शाऊल	डेविड	समान मिसाल
प्रारंभिक कॉलिंग	परमेश्वर द्वारा चुना गया, शमूएल द्वारा अभिषेक किया गया (1 शमूएल 10:1,10,5-13)।	शमूएल द्वारा अभिषेक किया गया (1 शमूएल 16:13; 2 शमूएल 23:1-2)।	दोनों ही ईश्वर द्वारा चुने गए और प्रारंभ से ही पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थे।
प्रारंभिक निष्ठा	प्रारंभ में परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया (1 शमूएल 11:6-7)।	गोलियत के विरुद्ध परमेश्वर पर भरोसा किया (1 शमूएल 17:45-47)।	दोनों की शुरुआत ईश्वर के मार्गदर्शन पर निर्भरता से हुई।
प्रमुख उल्लंघन	1. अनधिकृत बलिदान (1 शमूएल 13:8-14)। 2. अमालेकियों के युद्ध में अवज्ञा और लालच (1 शमूएल 15:1-23)। 3. पुजारियों की हत्या (1 शमूएल 22:6-19)। 4. प्रेत विद्या (1 शमूएल 28:7-20)।	1. बाथशेबा के साथ व्यभिचार (2 शमूएल 11:2-5)। 2. उरियाह की हत्या (2 शमूएल 11:14-17)। 3. अभिमान के कारण जनगणना (2 शमूएल 24:1-10)। 4. बहुविवाह (2 शमूएल 3:2-5)।	दोनों ने नेता के रूप में ईश्वर के नियमों का घोर उल्लंघन किया।
पापों का स्वरूप	अवज्ञा, लोभ, ईर्ष्या से प्रेरित हत्या, निषिद्ध प्रथाएँ।	वासना, हत्या, अहंकार; व्यक्तिगत नैतिक कमियाँ।	दोनों ने ईश्वर के प्रत्यक्ष आदेशों या नैतिक संहिता का उल्लंघन किया।
पाप के प्रति प्रतिक्रिया	पापों का खंडन या औचित्य सिद्ध करना, पश्चाताप न करना (उदाहरण के लिए, 1 शमूएल 15:20-21)।	स्वीकारोक्ति और पश्चाताप किया (उदाहरण के लिए, 2 शमूएल 12:13, भजन संहिता 51)।	दोनों को ईश्वरीय टकराव का सामना करना पड़ा (सैमुअल/नाथन)।
दिव्य संचार	परमेश्वर की कृपा खो दी (1 शमूएल 15:11); भविष्यवक्ताओं या उरीम के माध्यम से कोई उत्तर नहीं (1 शमूएल 28:6)।	पैगंबरों (जैसे नाथन, गाद) और प्रार्थना के माध्यम से ईश्वर तक पहुंच बरकरार रखी।	दोनों को शुरुआत में ईश्वर से संदेश मिला, लेकिन परिणाम अलग-अलग रहे।
नतीजे	राजा के रूप में अस्वीकृत (1 शमूएल 15:23); न्याय के अधीन मृत्यु (1 शमूएल 31)।	क्षमा कर दिया गया लेकिन दंडित किया गया (जैसे, बच्चे की मृत्यु, 2 सैमुअल 12:14); राजवंश कायम रहा।	दोनों को अपने पापों के लिए ईश्वर के दंड का सामना करना पड़ा।
रिश्ते का परिणाम	स्थायी रूप से अलग हो गया; जादू टोना की ओर मुड़ गया (1 शमूएल 28)।	पश्चाताप के बाद पुनर्स्थापित; “परमेश्वर के हृदय के अनुरूप मनुष्य” (प्रेरितों के काम 13:22)।	दोनों की परीक्षा पाप से हुई, लेकिन आस्था/पश्चाताप ने ही उनके भाग्य का निर्धारण किया।

#### उद्धरण:

- सभोपदेशक 7:8 (□□□□): □□□□□;किसी चीज़ का अंत उसके आरंभ से बेहतर होता है, और धैर्यवान आत्मा वाला घमंडी आत्मा वाले से बेहतर होता है।□□□□□;
- “शुरुआत कैसी होती है, यह मायने नहीं रखता, बल्कि अंत कैसा होता है, यह मायने रखता है।” (जॉर्ज डब्ल्यू. टूएट, बैपटिस्ट पादरी, 1926)
- “शुरुआत कैसी होती है, यह मायने नहीं रखता, अंत कैसा होता है, यह मायने रखता है।” (पैट रिले, बास्केटबॉल कोच, 2001)

समय के साथ वफादारी के उदाहरण के रूप में शाऊल (खमीर युक्त: अभिमानपूर्ण अंत) और दाऊद (खमीर रहित: पश्चातापी हृदय) की तुलना करना।



पहचानता। इसी कारण तुम में से बहुत से कमजोर और बीमार हैं, और बहुत से सो गए हैं। परन्तु यदि हम अपने आप को सही ढंग से परखते, तो हमारा न्याय न होता। परन्तु जब हमारा न्याय होता है, तो प्रभु हमें अनुशासित करता है ताकि हम संसार के साथ दोषी न ठहराए जाएँ। अतः, मेरे भाइयों और बहनों, जब आप भोजन करने के लिए एकत्रित हों, तो एक-दूसरे का इंतज़ार करें। यदि कोई भूखा हो, तो उसे घर पर ही भोजन करने दें, ताकि न्याय के लिए आप सब एकत्रित न हों। शेष बातों के विषय में मैं अपने आने पर निर्देश दूंगा।

## निर्णय के संबंध में

- यीशु ही न्यायाधीश हैं (यूहन्ना 5:22; 2 कुरिन्थियों 5:9-10)।
- पाखंडी मत बनो (मत्ती 7:1-2; रोमियों 2:1-3; लूका 6:37-38)।
- नीचा मत देखो/तिरस्कारपूर्ण व्यवहार मत करो (रोमियों 14; 1 कुरिन्थियों 8:7-13)।
- विवेक करना सीखें (इब्रानियों 5:12-14 अभ्यास के साथ; नीतिवचन 2:6-9 परमेश्वर से; नीतिवचन 3:21-23 लगन से; 1 थिस्सलनीकियों 5:21-22 जांच-पड़ताल से; 1 यूहन्ना 4:1-13, 2:3-6, 3:23-24 आत्माओं के बारे में; 1 कुरिन्थियों 2:14-15 गहन जांच-पड़ताल से)।
- शिक्षकों के लिए कठोर न्याय (याकूब 3:1; लूका 12:42-48)।
- संत संसार/स्वर्गदूतों का न्याय करते हैं (1 कुरिन्थियों 6:1-5; मत्ती 19:28; प्रकाशितवाक्य 20:4)। यीशु की शिक्षाएँ मानक हैं (यूहन्ना 12:47-48)।
  - टिप्पणी: विवेक ही कुंजी है (कई आयतों में इसका उल्लेख है)—क्योंकि संत यीशु को संसार का न्याय करने में सहायता करते हैं। प्रशिक्षण बपतिस्मा के बाद शुरू होता है। उदाहरण: मूसा ने कठोर न्याय किया (गिनती 20: मूसा ने बोलने के बजाय चट्टान पर प्रहार किया—दंडित हुआ, प्रतिज्ञा किए गए देश में प्रवेश नहीं किया)। पुराने नियम में: प्रतिज्ञा किए गए देश में प्रवेश करने के बाद न्यायाधीश नियुक्त किए गए (जैसे, सैमसन)। इसी प्रकार, हम स्वर्ग में प्रवेश करने के बाद न्याय करते हैं।

## फसह के बाद (मुक्ति)

- फसह के बाद (निसान 15-21): अखमीरी रोटी का त्योहार शुरू होता है; प्रथम फल भेंट (निर्गमन 12:17-20; लैव्यव्यवस्था 23:10-11; निर्गमन 22:29)। मिस्र से पलायन।
- नया नियम: प्रथम फल के रूप में पुनरुत्थान (1 कुरिन्थियों 15:20-28); अच्छे कर्मों के लिए शुद्ध होना, पाप के लिए मरना, धार्मिकता के लिए जीना (तीतुस 2:13-14; 1 पतरस 2:24; रोमियों 5:18-21)। अखमीरी रोटी/प्रथम फल के दौरान पुनरुत्थान: रविवार (सब्त के बाद का दिन) को पुनरुत्थान, दर्शन (मरियम, महिलाएं, एम्माउस, यरूशलेम, थॉमस, गलील, 500+), महान आज्ञा, 40 दिनों के बाद स्वर्गारोहण।
  - टिप्पणी: मसीह पहली अखमीरी रोटी/पहला फल हैं—जिनका पुनरुत्थान इन्हीं पर्वों के दौरान हुआ। हमें भी अखमीरी होना चाहिए। वे हमें अपने लोगों के रूप में धार्मिकता के लिए शुद्ध करते हैं।
- पत्नी की व्याख्या: 1 कुरिन्थियों 15:20-28 - परन्तु सच्चाई यह है कि मसीह मरे हुएों में से जी उठा है, वह सोए हुएों में से पहला फल है। क्योंकि जिस प्रकार मृत्यु मनुष्य के द्वारा आई, उसी प्रकार मरे हुएों का पुनरुत्थान भी मनुष्य के द्वारा हुआ। क्योंकि जिस प्रकार आदम में सब मरते हैं, उसी प्रकार मसीह में सब जीवित किए जाएंगे। परन्तु सब अपनी-अपनी बारी से: मसीह पहला फल, उसके बाद वे जो उसके आने पर मसीह के हैं, फिर अंत आएगा, जब वह राज्य हमारे परमेश्वर और पिता को सौंप देगा, जब वह सब शासन, सब अधिकार और शक्ति समाप्त कर देगा। क्योंकि उसे तब तक राज्य करना है जब तक वह अपने सब शत्रुओं को अपने पैरों के नीचे न कर दे। अंतिम शत्रु जिसे समाप्त किया जाएगा वह मृत्यु है। क्योंकि उसने सब कुछ अपने पैरों के नीचे कर दिया है। परन्तु जब वह कहता है, “सब कुछ अधीन कर दिया गया है,” तो यह स्पष्ट है कि इसमें पिता शामिल नहीं है, जिसने सब कुछ उसके अधीन किया है। जब सब कुछ उसके अधीन हो जाएगा, तब पुत्र स्वयं भी उस परमेश्वर के अधीन हो जाएगा जिसने सब कुछ उसके अधीन किया है, ताकि परमेश्वर सब कुछ में सर्वस्व हो।

अवस्था	फसह (पुराना नियम)	अंतिम भोज / नए नियम की घटनाएँ	मंदिर बलिदान	अतिरिक्त संदर्भ
शुद्ध	निसान 13 और उससे पहले: खमीर निकालना (निर्गमन 12:15,19; व्यवस्थाविवरण 16:4)	अंतिम भोज से पहले: पैर धोना (यूहन्ना 13:1-20, 15:1-10); विश्वासघात की भविष्यवाणी (मत्ती 26:21-25; मरकुस 14:18-21; लूका 22:21-23; यूहन्ना 13:21-30)	बेसिन में धोना (निर्गमन 30:18-21)	मत्ती 16:6,12; लूका 12:1; 1 कुरिन्थियों 5; मत्ती 12:43-45
तैयार रहना	निसान 14: मेमनों को मारकर खाया गया, दरवाजों पर खून लगा हुआ था (निर्गमन 12:6-11, 12:22; गिनती 9:12)	अंतिम भोज के दौरान: प्रभु भोज की स्थापना (मत्ती 26:26-29, यूहन्ना 6:53-58); यीशु का प्रवचन: मार्ग बनने, प्रेम और आज्ञाकारिता की शिक्षा देता है, पवित्र आत्मा का वादा करता है, उत्पीड़न की चेतावनी देता है, गीत गाता है और प्रार्थना करता है (यूहन्ना 13-17, मरकुस 14:26)	पशु का प्रस्तुतीकरण (लेवी 1:3-4)	लूका 12:35-37 (एलएसवी); 1 पतरस 1:13 (एलएसवी); इफिसियों 6:12-15; इब्रानियों 10:22, 11:28; 1 पतरस 1:2; प्रकाशितवाक्य 3:20
प्रलय	निसान 14-15: विनाशक पहलौठों पर प्रहार करता है, "चुने हुए" को छोड़ देता है (निर्गमन 12:12-14, 23)	यीशु की मृत्यु: विश्वासघात, क्रूस पर चढ़ाया जाना (यूहन्ना 18-19)	पशु वध (लेवी 1:5,11); रक्त एकत्र करना/लगाना (लेवी 1:5, 4:7)	1 कुरिन्थियों 11:25-34; यूहन्ना 3:14; 1 पतरस 2:24; 1 कुरिन्थियों 10:9; गिनती 21:5-9; यूहन्ना 6:51-56; मत्ती 26:26-28; 1 कुरिन्थियों 10:16-18
मुक्ति	निसान 15-21: निर्गमन की शुरुआत, प्रथम फल का पर्व, अखमीरी रोटी का त्योहार (निर्गमन 12:15-20; लैव्यव्यवस्था 23:6-8)	यीशु का पुनरुत्थान: पुनरुत्थान, दर्शन, मुलाकातें, महान आदेश, स्वर्गारोहण (मत्ती 28; यूहन्ना 20-21; लूका 24; प्रेरितों के कार्य 1)	पशु को जलाना/पकाना/खाना (लेवी 1:6-9)	1 कुरिन्थियों 15:20-28; तीतुस 2:13-14; 1 पतरस 2:24; रोमियों 5:18-21

## पुराने नियम की भेंटें

चुनिंदा भेंटों और उनके सामुदायिक पहलुओं पर एक संक्षिप्त नज़र। टिप्पणी: क्योंकि आप मंदिर (1 कुरिन्थियों 3:16; 2 कुरिन्थियों 6:16) और याजक/भेंटदाता (1 पतरस 2:5,9; प्रकाशितवाक्य 1:6; रोमियों 12:1) हैं, और मसीह के शरीर/रक्त (इब्रानियों 10:19-20) से बने हैं, इसलिए आप भेंटों का पुनः आयोजन कर सकते हैं। यह अनिवार्य नहीं है—कोई आदेश नहीं है। पहले मेल-मिलाप/शुद्धिकरण करें (मत्ती 5:23-24; 1 कुरिन्थियों 11:31-32)। अब चल मंदिर हैं; प्राचीन काल में लोग दूर-दूर तक यात्रा करते थे। भजन संहिता 27: दाऊद पास के मंदिर के लिए तरसता था—नए वाचा के शरीर में मंदिर के रूप में उसकी यह इच्छा पूरी हुई। संभावित उदाहरण: प्रेरितों के काम 20:7-11 (पौलुस दो बार रोटी तोड़ता है—रात के भोजन के समय, फिर चमत्कार के बाद, शायद कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए)।

प्रस्ताव प्रकार	धर्मग्रंथ संदर्भ	शामिल तत्व	उद्देश्य	सांप्रदायिक पहलू
होमबलि (ओलाह)	लैव्यव्यवस्था 1:3-9	पशु (बैल, भेड़, बकरी, पक्षी)	प्रायश्चित, ईश्वर के प्रति समर्पण	भेंटकर्ता भेंट प्रस्तुत करता है, पुजारी उसे जलाते हैं; भेंटकर्ता को भोजन ग्रहण करने की अनुमति नहीं है।
अन्न का चढ़ावा (मिन्हा)	लैव्यव्यवस्था 2:1-10	अनाज, आटा, पकी हुई रोटी, तेल, नमक	धन्यवाद, भक्ति	भेंट लाने वाला अपना भाग लाता है, पुजारी उसे ग्रहण करते हैं।
शांति भेंट (शेलामिम)	लैव्यव्यवस्था 3:1-3; 7:11-15	पशु, खमीर रहित/खमीर वाली रोटी	संगति, कृतज्ञता, प्रतिज्ञा पूर्ति	भेंट चढ़ाने वाला, परिवार, पुजारी भोजन करते हैं
पाप बलि (चतत)	लैव्यव्यवस्था 4:27-31; 6:25-30	पशु (बकरी, मेमना, बैल)	अनजाने पापों का प्रायश्चित	भेंट लाने वाला लाता है, पुजारी उसे खाते हैं (यदि जलाया न गया हो तो)
दोषबलि (आशम)	लैव्यव्यवस्था 5:14-16; 7:1-7	पशु (भेड़), क्षतिपूर्ति भुगतान	विशिष्ट पापों के प्रायश्चित	भेंट लाने वाला लाता है, पुजारी खाते हैं
शोब्रेड (उपस्थिति की रोटी)	लैव्यव्यवस्था 24:5-9	12 रोटियाँ	ईश्वर के समक्ष निरंतर भेंट	पुजारी सप्ताह में एक बार भोजन करते हैं।

## पुराने नियम के और भी रिश्ते

पुराने नियम की घटनाओं और यूखारिस्ट (कम्युनियन) के बीच संबंध।

टिप्पणी: यीशु मेल्कीसेदेक (रोटी/दाल धारण करने वाले याजक-राजा) के समान हैं। मन्ना: स्वर्ग से रोटी/वचन—जिसे प्रतिदिन खाया जाता था। चट्टान से निकला जल: पवित्र आत्मा/जीवनदायी जल—निर्गमन की पुस्तक में एक बार इसका उल्लेख है, लेकिन यह बार-बार होने वाले पवित्र भोज के समान है।

पुराने नियम का संदर्भ	विवरण	यूखरिस्ट से संबंध	प्रासंगिक आयतें
मेल्कीजेडेक का चढ़ावा	मेल्कीजेडेक रोटी और शराब अर्पित करता है...	रोटी और शराब यूखरिस्ट के तत्वों का पूर्वाभास कराते हैं...	उत्पत्ति 14:18-20; इब्रानियों 7:1-17; इत्यादि।
यहूदियों का एक त्योहर	इसाइली लोग मेमने की बलि देते हैं...	फसह के दौरान यूखरिस्ट; यीशु मेमने के रूप में...	निर्गमन 12:1-28; मत्ती 26:17-19; इत्यादि।
जंगल में मन्ना	ईश्वर मन्ना प्रदान करता है...	मन्ना स्वर्ग से आने वाली सच्ची रोटी का पूर्वाभास देता है...	निर्गमन 16:4-35; यूहन्ना 6:31-35; वगैरह।
चट्टान से पानी	चट्टान से निकला पानी...	जल, यूखरिस्ट वाइन को आध्यात्मिक पेय के रूप में पूर्वाभास कराता है...	निर्गमन 17:1-7; 1 कुरिन्थियों 10:1-4; वगैरह।
शोब्रेड	तंबू में बारह रोटियाँ...	शोब्रेड, यूखरिस्ट में ईश्वर की उपस्थिति का पूर्वाभास कराता है...	निर्गमन 25:30; मत्ती 12:1-4; इत्यादि।
अंगूर की बेल और शराब	इज़राइल एक बेल की तरह...	शराब को मसीह के रक्त के रूप में; यीशु को सच्ची बेल के रूप में...	भजन संहिता 80:8-19; यूहन्ना 15:1-5; इत्यादि।
वाचा का रक्त	मूसा खून छिड़कता है...	यूखरिस्ट की मदिरा नई वाचा के रक्त के रूप में...	निर्गमन 24:6-8; मत्ती 26:28; इत्यादि।

## त्योहारों सहित समयरेखा

घटनाओं और यहूदी त्योहारों को समाहित करते हुए विस्तृत समयरेखा। टिप्पणी: संदर्भ के लिए।

तारीख	आयोजन	महोत्सव के संदर्भ में	संदर्भ
निसान 13/14 की शाम (गुरुवार रात)	अंतिम भोज, विश्वासघात, गिरफ्तारी	खमीर निकालने की प्रक्रिया पूरी हुई; फसह की तैयारी	मत्ती 26:17-56; इत्यादि।
निसान 14 दिन का समय (शुक्रवार)	मुकदमे, सूली पर चढ़ाना, दफनाना	फसह: बलि किए गए मेमने, मेमने के रूप में यीशु	मत्ती 27:1-60; इत्यादि।
निसान 15 (शुक्रवार रात-शनिवार)	मकबरे में, सब्त का विश्राम	खमीर रहित रोटी का पर्व: पहला दिन	मत्ती 27:62-66; इत्यादि।
निसान 16 (शनिवार रात)	मकबरे में	खमीर रहित रोटी का पर्व: दूसरा दिन; प्रथम फल	1 पतरस 3:18-20; इफिसियों 4:8-10
निसान 16/17 (रविवार सुबह)	पुनरुत्थान, खाली कब्र	अखमीरी रोटी का पर्व (तीसरा दिन); प्रथम फल	मत्ती 28:1-10; इत्यादि।

## 230 ईस्वी में पवित्र भोज के प्रमाण (मेगिडो मोज़ेक)



सबसे प्राचीन ज्ञात ईसाई चर्च मोज़ेक (~230 ईस्वी, मेगिदो, इज़राइल) में प्रार्थना/स्मरण के लिए एक मेज को दर्शाया गया है। शिलालेख:

□ □□□□□; ईश्वर के मित्र अकेप्टस ने ईश्वर यीशु मसीह को स्मरण के लिए मेज भेंट की है। □□□□□□;

□ □□□□□; हमारे भाई, गैयनोस, जिसे पोर्फिरी भी कहा जाता है, जो एक सूबेदार था, ने ऐसा करने की प्रबल इच्छा रखते हुए, इस मोज़ेक-शिलालेख को बनवाया था। ब्रूटस ने यह काम किया है। □□□□□□;

□ □□□□□; प्रमिलिया, साइरियाका और डोरोथिया को याद रखो, और इसके अलावा क्रेस्टे को भी। □□□□□□;

टिप्पणी: सबसे प्रारंभिक □□□□□□; चर्च भवन □□□□□□;। मछली का प्रतीक (प्रारंभिक ईसाई)। सूबेदार द्वारा निर्मित, महिलाओं द्वारा प्रबंधित।

## समापन विचार

यशायाह 55:8-9 □□□□

यहोवा कहता है, “मेरे विचार तुम्हारे विचारों के समान नहीं हैं, और न ही मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गों के समान हैं। क्योंकि जैसे आकाश पृथ्वी से ऊंचा है, वैसे ही मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गों से और मेरे विचार तुम्हारे विचारों से ऊंचे हैं।”

नीतिवचन 3:5-6 (□□□)

अपने पूरे मन से प्रभु पर भरोसा रखो, और अपनी समझ पर भरोसा मत करो। अपने सभी कार्यों में उसे याद रखो, और वह तुम्हारे मार्ग को सीधा करेगा।

## सारांश

- फसह और मंदिर में होने वाला बलिदान, प्रभु भोज यानी सहभागिता का पूर्वाभास कराते हैं।
- फसह और मंदिर में होने वाले बलिदान को समझने से प्रभु भोज और इसके महत्व के बारे में हमारी समझ बढ़ती है।

## उपसंहार

मत्ती 5:8

□□□□□; धन्य हैं वे जो हृदय से शुद्ध हैं, क्योंकि वे ईश्वर को देखेंगे।□□□□□;

टिप्पणी (नोट्स से कहानी): मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जो बपतिस्मा के बाद भटक गया था, लेकिन फिर गहरे पश्चाताप की तलाश में लौट आया। प्रार्थनाओं के उत्तर मिलने से आभारी होकर, वह सोच रहा था कि प्रार्थना और बाइबल पढ़ने के अलावा और क्या किया जाए। शुरुआती मसीहियों द्वारा प्रतिदिन रोटी तोड़ने से प्रेरित होकर, उसने अपने दैनिक पापों पर विचार किया (मत्ती 5:23-24; 1 कुरिन्थियों 11:31-32 के अनुसार), पश्चाताप किया, और फिर हर रात रोटी/दालू ग्रहण किया। आश्चर्यजनक रूप से, 30 से अधिक वर्षों के बाद, उसे सपने आने लगे जिनमें अनुशासन और मार्गदर्शन के संदेश थे (भजन संहिता 23: छड़ी/लाठी)। वह लगन से इस कार्य को जारी रखता है। आशा: श्रोता इस संबंध का अनुभव करेंगे। याकूब 4:8: परमेश्वर के निकट आओ, वह तुम्हारे निकट आएगा।